

Central Board of School Education

Marking Scheme 2016

[Official]

Note - Candidates Please follow the Set 1
Marking Scheme.

उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड परीक्षा – मार्च, 2015–2016 अंक योजना हिन्दी ‘केन्द्रिक’

कक्षा – XII

कृष्णबन्ध – 2 / 1 / 1

~~2 / 1 / 2~~

~~2 / 1 / 3~~

| प्रश्न सं. | प्रश्न पत्र गुच्छ सं. | | | उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु | निर्धारित अंक विभाजन |
|------------|-----------------------|-------|-------|--|-----------------------------|
| | 2/1/1 | 2/1/2 | 2/1/3 | | |
| | | | | <ul style="list-style-type: none"> रसिक बिहारी सारथी उपदेशक मार्गदर्शक। | 2 |
| | च | च | च | <ul style="list-style-type: none"> कार्य से जुड़ने भी हैं और अलग भी। कमल के पत्ते पर पड़ा पानी उस पर रह कर भी अलग होता है। | 2 |
| | छ | छ | छ | <ul style="list-style-type: none"> प्रत्येक भूमिका में अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करना। कर्म करना परंतु फल की इच्छा न करना। अनासवत योगी। अहंकार रहित जीवन। <p>(किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख।) (अन्य उपयुक्त उत्तर भी स्वीकार्य।)</p> | 1+1=2 |
| 2. | ज | ज | ज | <ul style="list-style-type: none"> आदमी जैसा देवता। कर्मयोगी कृष्ण। <p>(अन्य उपयुक्त शीर्षक भी स्वीकार्य।)</p> | 1 |
| 2. | 2. | 1. | 2. | <p>अपठित काव्यांश के प्रश्नों के उत्तर-</p> <ul style="list-style-type: none"> भारत भूमि को। हिमालय को। | 1x5=5 |
| | | | | | $\frac{1}{2}+\frac{1}{2}=1$ |

| प्रश्न सं. | प्रश्न पत्र गुच्छ सं. | | | उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु | निर्धारित अंक विभाजन |
|------------|-----------------------|-------|-------|--|-----------------------------|
| | 2/1/1 | 2/1/2 | 2/1/3 | | |
| | ख | ख | ख | <ul style="list-style-type: none"> अजेय – जिसे जीता नहीं जा सकता। निर्बध – जिस पर किसी का अंकुश नहीं। गर्वान्नत – गर्व से माथा ऊँचा किए हुए। <p>(अन्य उपयुक्त विशेषणों का उल्लेख भी स्वीकार्य।)</p> | $\frac{1}{2}+\frac{1}{2}=1$ |
| | ग | ग | ग | <ul style="list-style-type: none"> परिवर्तन के लिए। क्रांति कामना। | 1 |
| | घ | घ | घ | <ul style="list-style-type: none"> विशाल, ऊँचा, बड़ा, पर्वतों का राजा। | 1 |
| | ड़ | ड़ | ड़ | <ul style="list-style-type: none"> शक्ति की पहचान कर उठ खड़ा होने की प्रेरणा। क्रांति का आहवान। | 1 |
| 3. | 3. | 3. | | <u>खड़ – ‘ख’</u> | |
| | | | | किसी एक विषय पर निबंध अपेक्षित : | |
| | | | | <ul style="list-style-type: none"> भूमिका एवं उपसंहार विषय-वस्तु (किन्हीं तीन बिंदुओं का विवेचन) भाषा की शुद्धता एवं प्रस्तुति | 1 3 5 |

| प्रश्न सं. | प्रश्न पत्र गुच्छ सं. | | | उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु | निर्धारित अंक विभाजन |
|------------|-----------------------|-------|-------|--|---|
| | 2/1/1 | 2/1/2 | 2/1/3 | | |
| 4. | 4. | 4. | 4. | <p>पत्र—लेखन :</p> <ul style="list-style-type: none"> ● आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ 1 ● प्रभावी विषय—वस्तु 3 ● भाषा की शुद्धता, प्रवाह एवं लेख 1 | 5 |
| 5. | 5. | 6. | 5. | <p>प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर—</p> <ul style="list-style-type: none"> ● स्थायित्व। ● पढ़ने के साथ चिंतन—मनन। ● बार—बार पढ़ने की सुविधा। (कोई दो बिंदु) ● संपादकीय लेख संपादक की व्यक्तिगत राय नहीं। ● सूचनाओं की निरपेक्ष / तटस्थ प्रस्तुति। <p>बीट रिपोर्टिंग—</p> <ul style="list-style-type: none"> ● संवाददाता की उस क्षेत्र में जानकारी एवं दिलचस्पी होना। ● अपनी बीट से जुड़ी सामान्य खबरों का लेखन। <p>विशेषीकृत रिपोर्टिंग—</p> <ul style="list-style-type: none"> ● विशेष क्षेत्र से जुड़ी खबरों का बारीकी से विश्लेषण और पाठकों के लिए स्पष्टीकरण की कोशिश। | $1 \times 5 = 5$ $\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 1$ 1 $\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 1$ |

| प्रश्न सं. | प्रश्न पत्र गुच्छ सं. | | | उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु | निर्धारित अंक विभाजन | | | | | | | | | | | | |
|-------------------|-----------------------|----------|----------|--|----------------------|---|-------------------|---|-----------------|---|--------------|---|-------------------|---|-----------------|---|---------------------------------|
| | 2/1/1 | 2/1/2 | 2/1/3 | | | | | | | | | | | | | | |
| 6. | घ ड | घ ड | घ ड | <ul style="list-style-type: none"> इंट्रो – मूल/मुख्य खबर। बॉडी – खबर का विस्तार। सरकार के कामकाज पर निगाह रखना। गड़बड़ियों का पर्दाफाश करना। <p>किसी एक विषय पर फीचर लेखन –</p> <table> <tr> <td>विषय – वस्तु</td> <td>2</td> </tr> <tr> <td>प्रभावी प्रस्तुति</td> <td>2</td> </tr> <tr> <td>भाषा की शुद्धता</td> <td>1</td> </tr> </table> <p>किसी एक विषय पर आलेख लेखन –</p> <table> <tr> <td>विषय – वस्तु</td> <td>2</td> </tr> <tr> <td>प्रभावी प्रस्तुति</td> <td>2</td> </tr> <tr> <td>भाषा की शुद्धता</td> <td>1</td> </tr> </table> <p style="text-align: center;"><u>खंड – 'ग'</u></p> <p>पठित काव्यांश पर आधारित प्रश्न –</p> <ul style="list-style-type: none"> चिड़िया की उड़ान को कविता की उड़ान से जोड़ना। बंधनहीन और कल्पना का असीम विस्तार। | विषय – वस्तु | 2 | प्रभावी प्रस्तुति | 2 | भाषा की शुद्धता | 1 | विषय – वस्तु | 2 | प्रभावी प्रस्तुति | 2 | भाषा की शुद्धता | 1 | $\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 1$ |
| विषय – वस्तु | 2 | | | | | | | | | | | | | | | | |
| प्रभावी प्रस्तुति | 2 | | | | | | | | | | | | | | | | |
| भाषा की शुद्धता | 1 | | | | | | | | | | | | | | | | |
| विषय – वस्तु | 2 | | | | | | | | | | | | | | | | |
| प्रभावी प्रस्तुति | 2 | | | | | | | | | | | | | | | | |
| भाषा की शुद्धता | 1 | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 7. | 6. 7. | 6. 7. | 6. 7. | | 1 | | | | | | | | | | | | |
| 8. | क 8. | क 10. | क 8. | | 5 | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | 5 | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | 2x4=8 | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | 2 | | | | | | | | | | | | |

| प्रश्न सं. | प्रश्न पत्र गुच्छ सं. | | | उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु | निर्धारित अंक विभाजन |
|------------|-----------------------|-------|-------|---|----------------------|
| | 2/1/1 | 2/1/2 | 2/1/3 | | |
| ख | ख | ख | | <ul style="list-style-type: none"> चिड़िया के उड़ने की एक सीमा है जबकि कविता की उड़ान देश, काल और परिस्थिति से बाहर संभव। | 2 |
| ग | ग | ग | | <p>साम्य—</p> <ul style="list-style-type: none"> कविता के सृजन एवं फूलों के खिलने से प्रसन्न होना। वातावरण का मोहक एवं आकर्षक होना। <p>वैषम्य—</p> <ul style="list-style-type: none"> फूल के खिलने के साथ-साथ उसकी परिणति निश्चित है जबकि कविता कालातीत होती है। | 2 |
| घ | घ | घ | | <ul style="list-style-type: none"> कविता असीम होती है। इसका प्रभाव दीर्घकालिक होता है। | 2 |
| क | क | क | | <p>अथवा</p> <ul style="list-style-type: none"> राम का। लक्ष्मण की मूर्छा से व्यथित होने के कारण। | 2 |
| ख | ख | ख | | <ul style="list-style-type: none"> मणि के बिना जो स्थिति साँप की तथा सूँड के बिना जो स्थिति हाथी की होती है वही दयनीय स्थिति लक्ष्मण के बिना राम की भी है। | 2 |
| ग | ग | ग | | <ul style="list-style-type: none"> पत्नी के लिए भाई को खो देने की | 2 |

| प्रश्न सं. | प्रश्न पत्र गुच्छ सं. | | | उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु | निर्धारित अंक विभाजन |
|------------|-----------------------|-------|-------|---|----------------------|
| | 2/1/1 | 2/1/2 | 2/1/3 | | |
| | घ | घ | घ | <ul style="list-style-type: none"> बात। बदनामी का डर। लोकमत के अनुसार तुलसी ने नारी के महत्व को पुरुष से कम माना है, क्योंकि वे कहते हैं— 'नारि हानि विसेष छति नाहीं' (अन्य उपयुक्त उत्तर भी स्वीकार्य।) | 2 |
| 9. | 9. | 8. | 9. | <p>पठित काव्यांश पर आधारित प्रश्न—</p> <ul style="list-style-type: none"> गरीब का स्वाभिमान/आत्मसम्मान बना रहे। उसे किसी के सामने सिर न झुकाना पड़े। भावनाओं का सहज उद्रेक। मौलिकता के कारण अभिनव। मुक्त छंद। प्रवाहमयी व सहज भाषा। प्रतीकात्मक। | 2x3=6 |
| | ख | ख | ख | <p>अथवा</p> <ul style="list-style-type: none"> खरगोश की आँखों से। लालिमा और चमक के कारण। | 2 |
| | ग | ग | ग | | 1+1=2 |
| | क | क | क | | 1+1=2 |

| प्रश्न सं. | प्रश्न पत्र गुच्छ सं. | | | उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु | निर्धारित अंक विभाजन |
|------------|-----------------------|-------|-------|---|----------------------|
| | 2/1/1 | 2/1/2 | 2/1/3 | | |
| | ख | ख | ख | <ul style="list-style-type: none"> ● लाल सवेरा – सूर्योदय। ● पुल – मौसमों को जोड़ने का। ● नई साइकिल – मौसम की नवीनता। | 1+1=2 |
| | ग | ग | ग | <ul style="list-style-type: none"> ● मानवीकरण अलंकार—‘शरद आया..... चलाते हुए।’ ● विभिन्न मौसमों को पार करके आते हुए शरद का सुंदर चित्रण। ● शरद की भोर को मानवीय व्यवहार की तरह प्रकट किया गया है। | 1+1=2 |
| 10. | 10. | 9. | 10. | <p>किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित—</p> <ul style="list-style-type: none"> ● पक्षियों को बच्चों से मिलने की उत्सुकता। ● कवि के लिए कोई प्रतीक्षारत नहीं ● कोई प्रेरणा न होने के कारण चाल में सुरक्षा और मन में विह्वलता। | 3+3=6 |
| | ख | ख | ख | <ul style="list-style-type: none"> ● शारीरिक चुनौती को झेलते हुए व्यक्ति के प्रति संवेदनहीन। ● अपाहिज व्यक्ति से बार-बार उसकी कमज़ोरियों/चुनौतियों के विषय में चुभने वाले प्रश्न पूछना। ● संवेदना का उत्पाद के रूप में बाज़ारीकरण। | 3 |

| प्रश्न सं. | प्रश्न पत्र गुच्छ सं. | | | उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु | निर्धारित अंक विभाजन |
|------------|-----------------------|------------------|------------------|--|---------------------------------------|
| | 2/1/1 | 2/1/2 | 2/1/3 | | |
| 11. | ग क ख ग | ग क ख ग | ग क ख ग | <ul style="list-style-type: none"> धनी व्यक्ति को आम आदमी के सुख-दुख से कोई सरोकार नहीं। बड़े-बड़े भवनों में सुविधा-संपन्न जीवन जीना। अपनी स्वार्थपूर्ति हेतु निम्न वर्ग का शोषण करना। संभावित क्रांति के कारण अस्तित्व संकट में। <p>पठित गदयांश पर आधारित प्रश्न—</p> <ul style="list-style-type: none"> चार्ली चैपलिन की। अपने को उपहास का पात्र बनाकर दूसरों को हँसाने की कला के कारण। भारतीय पंरपरा में नायक के स्वयं पर हँसने का कोई उदाहरण नहीं के बराबर। हास्य उत्पन्न करने के लिए नायक से भिन्न अन्य पात्र की आवश्यकता। अंग्रेज सत्ता/शासक के प्रतीक। अंग्रेजियत से प्रभावित लोग। ऐसे वर्ग पर भी हँसा जा सकता है – यह भाव। | 2+1=3 2x4=8 1+1=2 1+1=2 2 |

| प्रश्न सं. | प्रश्न पत्र गुच्छ सं. | | | उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु | निर्धारित अंक विभाजन |
|------------|-----------------------|-------|-------|--|----------------------|
| | 2/1/1 | 2/1/2 | 2/1/3 | | |
| घ | घ | घ | | <ul style="list-style-type: none"> जब वह स्वयं को गर्वोन्मत्त, आत्मविश्वास से लबरेज, अधिक शक्तिशाली, दूसरों से अधिक श्रेष्ठ आदि स्थितियों में प्रस्तुत करता है। <p>(अन्य उपयुक्त उत्तर भी स्वीकार्य।)</p> <p style="text-align: center;">अथवा</p> <ul style="list-style-type: none"> समाज में स्वार्थपरता की अधिकता। त्याग, समर्पण, सहानुभूति जैसे मूल्यों का अभाव। | 2 |
| क | क | क | | <ul style="list-style-type: none"> कथनी और करनी में अंतर। चर्चा अधिक और उसका क्रियान्वयन कम। दोषारोपण की प्रवृत्ति। | 2 |
| ख | ख | ख | | <ul style="list-style-type: none"> गरीबों के हितों के लिए अनेक योजनाएँ बनती हैं। भ्रष्ट व्यवस्था के कारण गरीबों को लाभ नहीं। प्रतीकात्मक भाषा में – मेघ दल का उमड़ना एवं बरसना, किंतु गगरी तक लाभ नहीं। ‘गगरी’ सरकारी योजनाओं का और ‘प्यासा बैल’ जरूरतमंद व्यक्ति का | 2 |
| ग | ग | ग | | | 2 |

| प्रश्न सं. | प्रश्न पत्र गुच्छ सं. | | | उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु | निर्धारित अंक विभाजन |
|------------|-----------------------|------------------|------------------|--|--|
| | 2/1/1 | 2/1/2 | 2/1/3 | | |
| 12. | घ क ख ग | घ — — — | घ — — — | <p>प्रतीक है।</p> <p>विद्यार्थियों की समझ के अनुसार उपयुक्त तर्क स्वीकार्य।</p> <p>किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित—</p> <ul style="list-style-type: none"> • अपना व्यवसाय चुनने की स्वतंत्रता न होना। • दूसरों की इच्छानुसार कार्य करने की बाध्यता। • कानूनी पराधीनता की दासता। • जैसे शिरीष वायुमंडल से रस प्राप्त करता है वैसे ही गांधी जी समाज से संवेदनाओं को ग्रहण करते हैं। • शिरीष विपरीत परिस्थितियों में भी अपने अस्तित्व को बनाए रखता है, गांधी भी विपरीत परिस्थितियों में झुकते नहीं। • शिरीष की पत्तियाँ और शाखाएँ भी कोमल हैं वैसे ही गांधी समाज के प्रत्येक वर्ग के लिए संवेदनशील। • दोनों ओर एक-सी ज़मीन। • एक ही भाषा। • सूरतें और लबोलहजा भी एक-सा। • दोनों का परस्पर भावनात्मक संबंध। | 2 3x4=12 3 3 3 |

| प्रश्न सं. | प्रश्न पत्र गुच्छ सं. | | | उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु | निर्धारित अंक विभाजन |
|------------|-----------------------|-------|-------|--|----------------------|
| | 2/1/1 | 2/1/2 | 2/1/3 | | |
| घ | — | — | | <ul style="list-style-type: none"> लोगों को अपनी ओर विशेष रूप से आकर्षित करना। ‘पर्चेजिंग पावर’ वाले लोगों को अधिक खर्च करने पर विवश करना। कपट को बढ़ावा देना। | 3 |
| ड | — | — | | <ul style="list-style-type: none"> बदलती व्यवस्थाओं के साथ लोक-कलाओं की गिरती लोकप्रियता। लोक-कलाकारों की उपेक्षा की ओर संकेत। भूख व महामारी से दम तोड़ते असहायों को मौत से लड़ने का साहस देना। | 3 |
| — | 12. क | — | | <ul style="list-style-type: none"> उसमें अनेक दुगुर्णों का मौजूद होना। वह सत्य के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध नहीं। परिस्थिति के अनुरूप अपने निर्णयों को रूप देना। | 3 |
| — | ख | — | | <ul style="list-style-type: none"> ‘पर्चेजिंग पावर’ व्यक्ति को अंहकारी बनाता है। आवश्यकता से अधिक खरीदने एवं संचयन करने के लिए प्रेरित करता है। इसके कारण समाज में कपट बढ़ता है और सद्भाव की कमी होती है। | 3 |
| — | ग | — | | <ul style="list-style-type: none"> धर्म-मज़हब व नई सरहदों में विभाजित लोगों का अपनी जन्म-स्थली के प्रति | 3 |

| प्रश्न सं. | प्रश्न पत्र गुच्छ सं. | | | उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु | निर्धारित अंक विभाजन |
|------------|-----------------------|-------|-------|--|----------------------|
| | 2/1/1 | 2/1/2 | 2/1/3 | | |
| — | घ | — | | <p>गहरा लगाव।</p> <ul style="list-style-type: none"> पुरानी पीढ़ी के द्वारा वैषम्य के धीरे-धीरे ठीक होने की उम्मीद। नई पीढ़ी के द्वारा उम्मीद कायम रखे जाने की संभावना। | 3 |
| — | डं | — | | <ul style="list-style-type: none"> प्रकृति की सर्वथा विपरीत परिस्थितियों में भी अपने अस्तित्व को बनाए रखना। जीवन की अजेयता के मंत्र का संदेश। सुख-दुख में समान भाव। | 3 |
| — | — | 12. | क | <ul style="list-style-type: none"> लेखक पानी के अभाव की दशा में पानी फेंके जाने को बर्बादी मानता है। लेखक इसे अंधविश्वास, पाखंड, पिछड़ेपन और गुलामी का कारण मानता है। जीजी के लिए कुछ पाने के लिए त्याग अनिवार्य है, इसलिए पानी फेंकना बरबादी नहीं। | 3 |
| — | — | | | <ul style="list-style-type: none"> व्यवस्था द्वारा उपेक्षित, असहाय ग्रामीण पहलवान को अपने बीच का सहायक मानते हैं। ग्रामीण पहलवान की ढोलक से तादात्म्य स्थापित कर पाते हैं। पहलवान की ढोलक ग्रामीण जनों को | 3 |

| प्रश्न सं. | प्रश्न पत्र गुच्छ सं. | | | उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु | निर्धारित अंक विभाजन |
|------------|-----------------------|-------|-------|---|----------------------|
| | 2/1/1 | 2/1/2 | 2/1/3 | | |
| — | — | ख | | <p>मृत्यु की निरूपाय परिस्थितियों में भी उसे स्वीकारने का हौसला दे जाती है।</p> <ul style="list-style-type: none"> ● अक्षम और लाचार पंचायत ने न्याय का मजाक उड़ाया। ● न्याय करने की न इच्छा, न दृष्टि, न शावित। ● कही—सुनी बातों पर, दूसरे पक्ष को अनसुना करके एक तरफा निर्णय। <p>(कैसे निपटें – विद्यार्थियों का तर्क संगत, मुक्त उत्तर)</p> <p>पक्ष—</p> <ul style="list-style-type: none"> ● आवश्यकतानुसार खरीददारी। ● बाजार के चकाचौंध में नहीं फँसना। <p>विपक्ष—</p> <ul style="list-style-type: none"> ● भगत जी जैसे आदर्शवादी समाज में गिने—चुने हैं, इसलिए संभव नहीं। ● बाजार के आकर्षण से बचना व्यक्ति के लिए आसान नहीं। <p>(अन्य बिंदु भी संभव।) (पक्ष या विपक्ष में तीन तर्क अपेक्षित।)</p> <ul style="list-style-type: none"> ● नमक को छिपा कर ले जाए या कस्टम अधिकारियों के संज्ञान में ला कर। | 3 |
| — | — | ग | | | 3 |
| — | — | घ | | | |

| प्रश्न सं. | प्रश्न पत्र गुच्छ सं. | | | उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु | निर्धारित अंक विभाजन |
|------------|-----------------------|-------|-------|---|----------------------|
| | 2/1/1 | 2/1/2 | 2/1/3 | | |
| — | — | ड | | <ul style="list-style-type: none"> नमक जैसी मूलभूत आवश्यकता की वस्तु का प्रतिबंधित किया जाना स्वीकार्य नहीं। सिख बीबी को दिए वचन से प्रतिबद्धता। | 3 |
| 13. | 13. | 13. | | <ul style="list-style-type: none"> शिरीष वृक्ष की कठोर फलियाँ, तब तक स्थान नहीं छोड़ती जब तक कि नए फल—पत्ते मिल कर, धकिया कर बाहर नहीं कर देते। पुरानी स्थापित पीढ़ी भी नई पीढ़ी द्वारा पदच्युत किए जाने तक स्थापित रहती है। समय क्रम में नई पीढ़ी का स्वागत किया जाना चाहिए। (अन्य बिंदु भी संभव) | 3 |
| 14. | 14. | — | — | <ul style="list-style-type: none"> संवेदनशीलता। साहसी। परिस्थितियों के अनुकूल ढलने की क्षमता। समाज के प्रति उत्तरदायित्व का बोध। (अन्य उपयुक्त उत्तर भी स्वीकार्य।) <p>किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित—</p> <ul style="list-style-type: none"> यशोधर बाबू आदर्शों व वैचारिक मूल्यों पर अडिग। | 5+5=10 |

| प्रश्न सं. | प्रश्न पत्र गुच्छ सं. | | | उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु | निर्धारित अंक विभाजन |
|------------|-----------------------|-------|-------|--|----------------------|
| | 2/1/1 | 2/1/2 | 2/1/3 | | |
| — | 14. क | — | — | <ul style="list-style-type: none"> यशोधर बाबू की पत्नी व्यावहारिक भाव—प्रबल होने के कारण, नई पीढ़ी के साथ समायोजन कर लेती है। सिल्वर वेडिंग के अवसर पर मुख्य—उत्सव से अलग पूजा में अधिक समय बिताना। यशोधर बाबू की पत्नी नई पीढ़ी के अनुरूप परिधान व शैली अपना लेती है। | 5 |
| — | — | क | — | <ul style="list-style-type: none"> प्रदर्शन और भीड़भाड़ से अलग रहने का स्वभाव। सामाजिक परंपराओं के निर्वाह के प्रति प्रयत्नशील। संस्कारों से बँधे और आधुनिकता के नाम पर उच्छृंखलता का समर्थन नहीं। <p>(अन्य बिंदु भी स्वीकार्य)</p> <ul style="list-style-type: none"> साधन—संपन्न सभ्यता। सुनियोजित नगर व्यवस्था। समाज में एकरूपता। कला में सुरुचि। सुसंरकृत उन्नत सभ्यता। राजपोषित नहीं, समाज पोषित व्यवस्था। | 5 |
| — | — | — | — | — | 5 |

| प्रश्न सं. | प्रश्न पत्र गुच्छ सं. | | | उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु | निर्धारित अंक विभाजन |
|------------|-----------------------|-------|-------|--|----------------------|
| | 2/1/1 | 2/1/2 | 2/1/3 | | |
| | ख | ख | ख | <ul style="list-style-type: none"> ● जूङ्झ अर्थात् संघर्ष। ● जीवन में प्रत्येक उपलब्धि जूङ्झने के बाद मिली। ● पाठशाला जाने का संघर्ष। ● पिता द्वारा खेतों आदि के काम में झोंक दिए जाने पर अध्ययन करने हेतु संघर्ष। ● कक्षा में छात्रों के साथ सामंजस्य बिठाने का संघर्ष। ● कविता लेखन सीखने का संघर्ष। <p>(अन्य विचार बिंदु भी स्वीकार्य।)</p> | 5 |